रणजीत टाइम्स
इंदौर
गुरुवार, 4 सितम्बर, 2025
वर्ष 01 | अंक 221 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

कलेक्टर नहीं चला पा रहे जिले, हटाना होगा

● जिलों में उर्वरक वितरण में अव्यवस्था को लेकर भड़के सीएम ● डॉ. यादव ने कहा-व्यवस्था बिगड़ी तो कलेक्टर होंगे उत्तरदायी ● कहा-किसान संगठनों से निरंतर सम्पर्क और संवाद बनाए रखें

सीएम बोले-उर्वरक वितरण व्यवस्था की हो सघन मॉनीटरिंग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिलों में उर्वरक वितरण के संबंध में जिला प्रशासन आवश्यक व्यवस्था बनाए। उपलब्ध उर्वरक की उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से निरंतर संवाद और संपर्क में रहे। उर्वरक वितरण की व्यवस्था में किसान संगठन के प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाए। जिलों में यदि उर्वरक वितरण को लेकर अव्यवस्था होती है तो उसके लिए जिला कलेक्टर उत्तरदायी होंगे। राज्य सरकार हर स्थिति में किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों और जिलों में उर्वरक वितरण की स्थिति की बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अधिकारी उपस्थित थे। सभी जिले के कलेक्टर वर्चुअली जुड़े।

● **उर्वरक की बेहतर वितरण व्यवस्था में हुए नवाचारों का करें अनुसरण-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उर्वरक वितरण व्यवस्था के संबंध में धार, दमोह, जबलपुर और रीवा जिले के कलेक्टरों से चर्चा की। दमोह कलेक्टर ने बताया कि किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से सतत् सम्पर्क और संवाद सुनिश्चित करते हुए वितरण व्यवस्था में उनका सहयोग लिया जा रहा है। साथ ही टोकन वितरण और उर्वरक वितरण को अलग-अलग किया गया है। टोकन तहसील कार्यालय से बांटे जा रहे हैं और वितरण विक्रय केन्द्रों से किया जा रहा है। जबलपुर कलेक्टर ने बताया कि किसानों के लिए टोकन वितरण की व्यवस्था फोन कॉल द्वारा सुनिश्चित की जा रही है। उर्वरक वितरण केन्द्रों पर डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं। बोर्ड न पर टोकन नंबर प्रदर्शित कर उर्वरक वितरण किया जा रहा है। डिस्प्ले बोर्ड पर जिले में उपलब्ध उर्वरकों की मात्रा भी प्रदर्शित की जा रही है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिलीं पूर्व सीएम वसुंधरा

● राजनीतिक गलियारों में मची हलचल, कयासों का दौर शुरू

जयपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत जोधपुर प्रवास पर हैं। वे 9 दिन तक जोधपुर रहेंगे। इस दौरान आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय समिति की बैठक में हिस्सा लेंगे। जोधपुर प्रवास के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने संघ प्रमुख से मुलाकात की। राजे और भागवत के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। चूंकि राजे पिछले डेढ वर्ष से राजनैतिक रूप से हाशिए पर हैं। संघ

प्रमुख से उनकी मुलाकात के बाद राजनैतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजे स्वयं आरएसएस से जुड़ी रही हैं। संघ के तमाम वरिष्ठ नेताओं से उनके निकट के संबंध हैं। लिहाजा राजे और भागवत की मुलाकात के बाद कई तरह के मायने निकाले जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राजे को पार्टी में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। भाजपा का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे को अब और बड़ी जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

पटना में पहली बार 800 मीटर ट्रैक पर दौड़ी मेट्रो

● खामियों को जांचने के लिए ट्रायल रन हुआ, मंत्री भी देखने पहुंचे ● बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी कर सकते हैं इसका उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। बिहार की पहली मेट्रो का बुधवार को ट्रायल हुआ। मेट्रो का डीपो के अंदर बने 800 मीटर लंबे ट्रैक पर इसका रन किया गया, ताकि तकनीकी और सुरक्षा मानकों की पूरी जांच की जा सके। इसके बाद भूतनाथ स्टेशन तक मेट्रो का ट्रायल होगा। ट्रायल एक हफ्ते तक चलेगा।

ट्रायल रन के दौरान विशेषज्ञों की एक टीम ने ट्रेन की स्पीड, ब्रेकिंग सिस्टम, पावर सप्लाई और सुरक्षा उपकरणों की जांच की। ताकि अगर ट्रायल के दौरान कोई तकनीकी परेशानी आती है तो उसे दूर किया जाएगा। मंत्री जीवेश मिश्रा ट्रायल रन देखने पहुंचे थे। पीएम मोदी इसका उद्घाटन कर सकते हैं। पहले चरण में पटना मेट्रो को रेड लाइन के नाम से जाना जाएगा। पटना मेट्रो की रेड लाइन मलाही पकड़ी से जोड़ेगी।

● **मधुबनी पेंटिंग से डिजाइन की गईं मेट्रो की बोगियां-** पटना मेट्रो की बोगियों को मधुबनी पेंटिंग से डिजाइन किया गया है। पूरी बोगियां अब नारंगी कलर में दिखेंगी। मेट्रो की तीनों बोगियों की गेट, बॉडी, खिड़की सहित हर जगह स्टिकर लगाने का काम पूरा हो गया है। बोगियों के बाहर ही नहीं बल्कि अंदर का भी लुक बदला गया है। मेट्रो की छत पर मधुबनी पेंटिंग की स्टिकर चिपकाई गई है। बोगियों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप, नालंदा खंडहर सहित बिहार के सभी टूरिस्ट प्लेस की तस्वीरों से सजाया जा रहा है। पटना मेट्रो का किराया 5 से 6 कैटेगरी में तय किया जाएगा। कम दूरी पर ज्यादा पैसे खर्च करना पड़ सकता है, लंबी दूर वालों को फायदा होगा। सरकार जल्द ही फेयर फिक्सेशन कमेटी बनाएगी।

निलंबन के एक दिन बाद के. कविता ने छोड़ी बीआरएस

● पिता से बोलीं-अपने आसपास हो रही गतिविधियों पर रखें नजर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति द्वारा निलंबित किए जाने के एक दिन बाद पार्टी के संस्थापक व प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को हैदराबाद में एक पत्रकार वार्ता में के.

कविता ने अपने पिता और भाई के साथ संबंधों से जुड़े सवाल पर कहा कि विरोधी चाहते हैं कि हमारा परिवार बिखर जाए। कविता ने अपने निलंबन को पूरी बीआरएस को नियंत्रित करने की साजिश का हिस्सा बताया। कविता ने अपने पिता केसीआर से अपने आसपास हो रही गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कहा। के. कविता ने यह भी कहा कि तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद से वो विभिन्न मुद्दों के लिए लड़ रही है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ अभियान चलाया गया है।

भारत को और एस-400 डिफेंस सिस्टम देगा रूस

रशियन अफसर बोले- हम आपस में बढ़ा रहे हैं सहयोग

एससीओ में मोदी बोले थे-भारत-रूस बुरे दौर में भी साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और भारत के बीच एस-400 मिसाइल सिस्टम की खरीद बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। रूस की न्यूज एजेंसी ने एक सीनियर डिफेंस ऑफिसर के हवाले से बताया कि रूस भारत को एस-400 की सप्लाई बढ़ाने के लिए तैयार है। 2018 में भारत ने रूस के साथ 5 एस-400 सिस्टम खरीदने की डील की थी। यह डील 5.4 बिलियन डॉलर (करीब ?48 हजार करोड़) थी। अब तक भारत को तीन स-400 सिस्टम मिल चुके हैं और बाकी दो की डिलीवरी 2026-

27 तक हो जाने की उम्मीद है। ये वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बातचीत हुई थी। मोदी ने पुतिन को 'दोस्त' बताया था।

तीन देशों से आए अल्पसंख्यकों को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए अल्पसंख्यकों पर बड़ा फैसला किया है। सरकार ने इन देशों से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को बिना पासपोर्ट रहने की अनुमति दे दी है। गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर बताया कि इन समुदायों के लोग अगर वैध पासपोर्ट या दस्तावेजों के साथ भी

आए थे और उनकी वैधता खत्म हो चुकी है, तब भी उन्हें रहने की छूट मिलेगी। पिछले साल लागू हुए नागरिकता संशोधन कानून के तहत 31 दिसंबर 2014 तक आए अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। इस नए आदेश से 2014 के बाद आए लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

पिछोर फूड इंस्पेक्टर एवं समिति प्रबंधक पर सेल्समैन ने लगाये भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

सेल्समेन द्वारा सीएम हेल्पलाइन 181पर भी फूड इंस्पेक्टर पिछोर की गई शिकायत

शिवपुरी(पिछोर) खबर पिछोर विधानसभा के जनपद पंचायत खनियाधाना के अंतर्गत ग्राम पंचायत दीदावनि सेल्समैन बृजेंद्र सिंह यादव दुकान कोड 0508061 द्वारा पिछोर फूड इंस्पेक्टर जगदीप सिंह लोधी के ऊपर भ्रष्टाचार एवं लेनदेन के काफी गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

सेल्समेन बृजेंद्र सिंह यादव द्वारा बताया गया है कि एक साल पहले मेरी दुकान किसी अन्य संस्था में फूड इंस्पेक्टर एवं समिति प्रबंधक के साथ घाट करके किसी अन्य संस्था में हटा दी गई थी लगातार सेल्समैन को फूड इंस्पेक्टर द्वारा प्रताड़ित करने पर सेल्समेन द्वारा बताया गया कि मेरे द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर सभी राशन कार्ड धारी को पात्रता अनुसार राशन वितरण किया गया था किंतु फूड इंस्पेक्टर एवं समिति प्रबंधक रोशन लाल लोधी द्वारा मुझे बार-बार पैसे के लिए दबाव

बनाया जा रहा है अगर तुमने पैसा नहीं दिया तो मैं तुम्हारी दुकान अन्य किसी व्यक्ति को दे दूंगा जिससे सेल्समैन ने आज प्रताड़ित होकर मीडिया कार्यालय खनियाधाना में आकर अपनी बात मीडिया के समक्ष राखी एवं फूड इंस्पेक्टर को हटाने के भी प्रशासन से अनुरोध किया है कि इस प्रकार मेरे द्वारा कई सेल्समैन भी और भी है उनको भी काफी परेशानी हो रही है एवं हमारे द्वारा जब सही वितरण किया जाता है तो हम किस बात का पैसा दें अगर पैसा नहीं देने पर हम पर फर्जी FIR एवं कार्यवाही करने की धमकी फूड इंस्पेक्टर जगदीप सिंह लोधी द्वारा सेल्समैन को धमकी दी जाती है इस संबंध में सेल्समैन द्वारा सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत भी दर्ज कराई गई जिसका अभी तक कोई भी समाधान नहीं हुआ है जिसका शिकायत क्रमांक 34244919 है।

जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण पर सियासी घमासान तेज, जीतू पटवारी बोले यह काम करने की प्रक्रिया का हिस्सा, बीजेपी ने कसा तंज तो पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल ने परिसीमन पर उठाए सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति इस समय कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर गरमाई हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने साफ किया है कि सितंबर के आखिरी सप्ताह में 10 दिन का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिला और ब्लॉक अध्यक्षों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कांग्रेस की कार्यप्रणाली का हिस्सा है और इसे किसी नई विधा को आधुनिक सोच से जोड़ने का एक तरीका माना जाना चाहिए। पटवारी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को दिशा देने के लिए ऐसे प्रयास बेहद जरूरी हैं। हालांकि कांग्रेस के इस फैसले पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस आखिर किसका प्रशिक्षण देगी। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को भारत के इतिहास और लोकतंत्र की पद्धति के बारे में क्या बताएगी, जबकि कांग्रेस स्वयं ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का पालन नहीं करती। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को तो इस समय सिर्फ पुतले जलाने, कपड़े फाड़ने और एक-दूसरे पर आरोप लगाने का ही प्रशिक्षण मिल रहा है। शर्मा ने यहां तक कह दिया कि अगर कांग्रेस आने वाले 20-25 साल तक इसी तरह प्रशिक्षण लेती रही तो भाजपा के लिए यह फायदेमंद ही रहेगा। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल ने परिसीमन को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने हिसाब से परिसीमन कराना चाहती है और यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ होगा। पटेल ने कहा कि कांग्रेस को आयोग के गठन से आपत्ति नहीं है, लेकिन जब आयोग के फैसले के खिलाफ अपील का कोई रास्ता ही न हो, तब यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसके जवाब में भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को न तो लोकतंत्र पर भरोसा है, न निर्वाचन आयोग पर और न ही संवैधानिक व्यवस्था पर। उन्होंने कहा कि रिटायर अधिकारी चाहे जिस भी सरकार में सेवा दे चुके हों, संविधान की व्यवस्था पर विश्वास रखना ही जरूरी है।

इसी बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विधायक संजय पाठक से जुड़े मामले को आज़ाद भारत का पहला केस बताया, जिसमें न्यायपालिका पर दबाव डालने की कोशिश का जिक्र सामने आया है। पटवारी ने कहा कि न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर लिखा है कि बीजेपी विधायक ने जज को प्रभावित करने की कोशिश की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब न्यायपालिका खुद इस बात को स्वीकार कर रही है तो विधानसभा अध्यक्ष को इस मामले में क्या कार्रवाई करनी चाहिए। पटवारी ने इसे लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बताया। हालांकि इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मामला न्यायालय का है और न्यायपालिका से जुड़े मुद्दों पर निर्णय भी न्यायपालिका ही करेगी। ऐसे मामलों को राजनीति से जोड़ना उचित नहीं है।

जन्मदिन पर भगवान महाकाल के चरणों में नतमस्तक हुए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कार्यकर्ताओं से साधारण तरीके से मनाने की अपील

उज्जैन/इंदौर। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष और बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल का 3 सितंबर को जन्मदिन है। इस खास अवसर पर वे अपनी पत्नी के साथ उज्जैन पहुंचे और विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर भगवान महाकाल से आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही उन्होंने पूरे श्रद्धा भाव से न केवल पूजन-अर्चन किया बल्कि राज्य और संगठन की उन्नति के लिए आशीर्वाद भी मांगा। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति की ओर से एसडीएम एल.एन. गर्ग ने प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत किया। हेमंत खंडेलवाल का जन्म उत्तर प्रदेश के मथुरा में हुआ था, लेकिन वे लंबे समय से मध्य प्रदेश की राजनीति और संगठन में सक्रिय हैं और वर्तमान में बैतूल जिले में रहते हैं। सादगी और सहज व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाने वाले खंडेलवाल ने अपने जन्मदिन पर भी कार्यकर्ताओं से विशेष अपील की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि वे किसी भी प्रकार के बैनर, पोस्टर या होर्डिंग्स के माध्यम से शुभकामनाएँ न दें। उन्होंने लिखा– ÷आपका स्नेह और संगठन के प्रति समर्पण ही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। आप सभी के आशीर्वाद और निरंतर समर्थन के लिए मैं हृदय से कृतज्ञ हूं।÷ हेमंत खंडेलवाल का राजनीतिक सफर भी प्रेरणादायी रहा है। उनके पिता विजय कुमार खंडेलवाल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता थे और बैतूल से सांसद रह चुके थे। 2008 में पिता के निधन के बाद हेमंत राजनीति में सक्रिय हुए और उसी वर्ष लोकसभा चुनाव जीतकर पहली बार सांसद बने। इसके बाद वर्ष 2013 में उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा और बैतूल सीट से विधायक चुने गए। उनकी लोकप्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी ने उन्हें 2023 में दूसरी बार बैतूल विधानसभा से जीत दिलाई। साफ-सुथरी छवि, संघ से गहरा जुड़ाव और संगठनात्मक कुशलता के कारण उन्हें मध्य प्रदेश भाजपा की कमान सौंपी गई।

भोपाल में साइंस हाउस कंपनी पर आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई : एक करोड़ नगद बरामद, 20 बैंक खाते और 20 लॉकर सील

टैक्स चोरी का खुलासा, विदेशी लिंक और बोगस बिलिंग के सबूत

भोपाल। आयकर विभाग की छापेमार कार्रवाई ने बड़ा खुलासा किया है। साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़े कारोबारियों के ठिकानों पर हुई इस कार्रवाई में टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। जांच के दौरान विदेशी कारोबार से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों, बोगस बिलिंग और फर्जी सप्लाई के इनपुट मिले हैं। आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी के दौरान संचालकों के घर और दफ्तरों से 1 करोड़ रुपये से अधिक नकद जब्त किया है। साथ ही बैंकों में संचालित 20 खातों और 20 लॉकर को सील कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग की यह कार्रवाई भोपाल के मेडिकल कारोबारी राजेश गुप्ता और साइंस हाउस से जुड़े अन्य संचालकों पर केंद्रित थी। मंगलवार को हुई इस छापेमारी में करीब 30 ठिकानों की तलाशी ली गई। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि कंपनी लंबे समय से मेडिकल इक्विपमेंट और सर्जिकल आइटम्स के व्यापार में बोगस बिलिंग के जरिए टैक्स चोरी कर रही थी। आयकर अधिकारियों ने बताया कि साइंस हाउस के संचालक जितेंद्र तिवारी, शैलेंद्र तिवारी और मोहन शर्मा के ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार कंपनी के बैंक खातों में भारी रकम जमा की गई है, जिसका स्रोत संदिग्ध है। आयकर विभाग इन लेन-देन की गहन जांच कर रहा है। इसके लिए बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों को भी बुलाया गया और जब्त नकदी व ज्वेलरी का वेरिफिकेशन कराया गया। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि राजेश गुप्ता न केवल देश में बल्कि विदेश में भी कारोबार करते हैं। उनकी युगांडा में मेडिकल सर्जिकल इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री है। यही कारण है कि मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की एंट्री भी हो सकती है। गौरतलब है कि साइंस हाउस 1994 से भोपाल और देशभर में मेडिकल इक्विपमेंट्स की सप्लाई करता रहा है। इसके अलावा यह कंपनी डायग्नोस्टिक सर्विस, पैथोलॉजी लैब और निजी अस्पतालों को सेवाएं भी उपलब्ध कराती है। आयकर विभाग को संदेह है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहा कारोबार घोषित आय और टैक्स के हिसाब से मेल नहीं खाता, इसलिए विस्तृत पड़ताल की जा रही है। छापेमारी में मिले दस्तावेजों और डिजिटल डाटा को आयकर विभाग की टीम ने जब्त कर लिया है। फिलहाल दस्तावेजों की जांच की जा रही है और विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि यह मामला केवल टैक्स चोरी तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसमें मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी निवेश से जुड़े बड़े खुलासे भी हो सकते हैं।

झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन से छात्र की मौत, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम, पिता ने छात्रावास प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का लगाया आरोप

खरगोन। जिले के बलकवाड़ा क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास में रह रहे कक्षा 11वीं के छात्र की इंजेक्शन लगने के बाद मौत हो गई। छात्र सुरेश, पिता मुकेश कौर की तबीयत अचानक बिगड़ने पर हॉस्टल प्रबंधन ने उसे जिला अस्पताल ले जाने की बजाय गांव के ही एक झोलाछाप डॉक्टर पप्पू चौहान के पास उपचार के लिए पहुंचा दिया। वहीं डॉक्टर द्वारा लगाया गया इंजेक्शन छात्र के लिए जानलेवा साबित हुआ। इंजेक्शन लगते ही छात्र की हालत और बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया।बताया जाता है कि छात्र सुरेश को पिछ्ले कुछ दिनों से सर्दी-खांसी की परेशानी थी। मंगलवार शाम लगभग 7 बजे खाने के बाद उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई, जिसके बाद छात्रावास प्रबंधन उसे इलाज कराने ले गया। लेकिन अस्पताल ले जाने के बजाय उसे सीधे गांव के डॉक्टर पप्पू चौहान के पास पहुंचा दिया गया। वहां इंजेक्शन लगाए जाने के बाद छात्र की हालत बिगड़ने लगी और जब उसे जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। छात्र की मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूचना मिलते ही आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त इकबाल हुसैन आदिल, तहसीलदार महेंद्र दांगी और सीएमएचओ एमएस सिसौदिया देर रात ही जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने रात में ही स्थिति का जायजा लिया और डॉक्टरों की टीम को बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के निर्देश दिए। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर मृतक छात्र के पिता मुकेश कौर ने हॉस्टल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि छात्रावास प्रशासन ने बेटे की तबीयत बिगड़ने की सूचना उन्हें नहीं दी। अगर जानकारी मिलती तो वे खुद उसे जिला अस्पताल ले जाकर उचित इलाज कराते और बेटे की जान बचा सकते थे। पिता ने आरोप लगाया कि छात्रावास प्रबंधन की लापरवाही और झोलाछाप डॉक्टर की गैर-जिम्मेदाराना हरकत ने उनके बेटे की जिंदगी छीन ली। फिलहाल बलकवाड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रशासनिक और विभागीय अधिकारी भी इस मौत को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गए हैं। अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह साफ हो सकेगा कि इंजेक्शन की वजह से ही छात्र की मौत हुई या इसके पीछे कोई और कारण जिम्मेदार है।

IIT इंदौर ने विकसित किया अनोखा उपकरण, पानी और हवा से बिना सूरज की रोशनी के बनेगी बिजली

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के वैज्ञानिकों और छात्रों ने ऐसा अनोखा उपकरण विकसित किया है, जो बिना सूर्य की रोशनी, बैटरी या किसी सक्रिय मशीनरी के केवल पानी और हवा के सहारे बिजली पैदा करने में सक्षम है। यह उपकरण जल वाष्पीकरण की प्राकृतिक प्रक्रिया का इस्तेमाल करता है और वातावरण से तापीय ऊर्जा लेकर उसे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आविष्कार आने वाले समय की स्मार्ट एनर्जी तकनीक साबित हो सकता है। यह शोध आईआईटी इंदौर के सस्टेनेबल एनर्जी एंड एन्वायर्नमेंटल मटेरियल्स (SEEM) लैब में प्रोफेसर धीरेंद्र के. राय और उनकी टीम के सदस्य खुशवंत सिंह के मार्गदर्शन में किया गया है। इस तकनीक का मूल एक खास तरह का मेम्ब्रेन है, जो ग्रैफीन ऑक्साइड और जिंक-इमिडाजोल जैसे स्थिरीकरण यौगिकों से तैयार किया गया है। जब इस मेम्ब्रेन को आंशिक रूप से पानी में डुबोया जाता है, तो पानी सूक्ष्म चैनलों से ऊपर की ओर बढ़ता है और वाष्पित होते ही बिजली उत्पन्न होने लगती है। वाष्पीकरण की इस प्रक्रिया से मेम्ब्रेन के दोनों सिरों पर पॉजिटिव और नेगेटिव आयन अलग होते हैं, जिससे लगातार वोल्टेज मिलता है। यह उपकरण कठिन और दुर्गम क्षेत्रों में भी काम आ सकता है। जंगलों और खेतों में लगे पर्यावरण सेंसरों को ऊर्जा देना हो, आपातकाल के समय बिजली बंद होने पर रोशनी की जरूरत हो या दूरस्थ इलाकों में छोटे मेडिकल उपकरणों को चलाना हो ङ्क हर स्थिति में यह तकनीक उपयोगी साबित हो सकती है। खास बात यह है कि यह सौर पैनलों की तरह सूर्य पर निर्भर नहीं है। यह रात में, बादलों के दौरान या घर के अंदर भी काम कर सकता है। हल्का और पोर्टेबल होने के कारण इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है और बिना फिल्टर किए पानी से भी यह प्रभावी तरीके से काम करता है। आईआईटी इंदौर के निदेशक सुहाष जोशी ने इस उपलब्धि को संस्थान के समाजोपयोगी शोध कार्यों की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उनके अनुसार, जल वाष्पीकरण जैसी साधारण प्रक्रिया को बिजली का विश्वसनीय स्त्रोत बनाना अपने आप में एक क्रांतिकारी विचार है। यह न सिर्फ सतत प्रौद्योगिकी के नए रास्ते खोलेगा बल्कि ग्रामीण और वंचित समुदायों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में भी मददगार साबित होगा।

कुख्यात अपराधी सलमान लाला की मौत पर सोशल मीडिया में बवाल, भ्रामक वीडियो पर पुलिस की कड़ी निगरानी, कई अकाउंट पुलिस रडार पर

इंदौर। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर एक बार फिर चर्चा में है। यहां के कुख्यात अपराधी और खुद को '25 पैसे का बदमाश' कहने वाले सलमान लाला की मौत के बाद माहौल गरमाता जा रहा है। सोशल मीडिया पर लगातार उसके समर्थक वीडियो वायरल कर रहे हैं, जिनमें सलमान लाला की झलक और उससे जुड़ी चर्चाएं दिखाई दे रही हैं। इन वीडियो को बड़ी संख्या में लोग शेयर कर रहे हैं, जिससे पुलिस अलर्ट हो गई है। क्राइम ब्रांच पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैल रही इन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि कई वीडियो और अकाउंट्स पुलिस की रडार पर हैं। खास बात यह है कि इनमें से कुछ वीडियो इंदौर के नहीं हैं, लेकिन उन्हें इंदौर का बताकर वायरल किया जा रहा है। एक वीडियो में तो सलमान लाला की मौत के बाद इंदौर बंद करने की अपील तक की गई है।

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की भ्रामक जानकारी या गलत वीडियो फैलाने वालों पर किसी भी सूरत में ढील नहीं दी जाएगी। पुलिस ने ऐसे कई अकाउंट चिन्हित कर लिए हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी अफवाह को समय रहते रोका जा सके। वहीं, इस विवाद में एक नया मोड़ तब आया जब एक वायरल वीडियो में अभिनेता एजाज खान ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ÷सलमान लाला तालाब में डूबकर नहीं मर सकता। वह तैराक था और बड़े समंदर में तैर सकता था, ऐसे लोग तालाब में डूबकर नहीं मरते।÷ एजाज खान ने आगे कहा कि ÷सलमान लाला अपराधी जरूर था, लेकिन उसका असली गुनाह यह नहीं था कि वह गैंगस्टर था, बल्कि इसलिए उसे निशाना बनाया गया क्योंकि वह मुसलमान था।÷ इस बयान ने मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि ऐसे बयानों और वीडियो का मकसद माहौल बिगाड़ना है। इसलिए सख्त कदम उठाने की तैयारी है। फिलहाल, पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए सोशल मीडिया अकाउंट्स की गतिविधियों की बारीकी से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

कलेक्टर ऑफिस के नाम पर व्यापारी परेशान, फोन पर चालान और कार्रवाई की धमकी देकर ठग रहा जालसाज

इंदौर। शहर में इन दिनों कलेक्टर कार्यालय से जुड़े एक सनसनीखेज धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्ति खुद को कलेक्ट्रेट, नापतौल विभाग या खाद्य विभाग का अधिकारी बताकर व्यापारियों को फोन कर रहा है और कार्रवाई का डर दिखाकर उनसे पैसों की मांग कर रहा है। यह शख्स व्यापारियों को धमकाता है कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई होगी और दुकानों को बंद करा दिया जाएगा। कलेक्ट्रेट कार्यालय के कमरा नंबर जी-12 में यह मामला चर्चा का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है। कई फूड व्यापारी धमकी भरे फोन कॉल मिलने के बाद सीधे कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां न तो कोई अधिकारी ऐसा निकला और न ही कॉलर का कोई सुराग मिला। ठग फोन पर चालान के नाम पर मोटी रकम की मांग करता है और गुमराह करने के लिए अलग-अलग जगह बुलाकर खुद को पकड़ने से बच जाता है। व्यापारियों की शिकायत के बाद खुलासा हुआ कि शहर के कई नामी व्यापारियों को इस तरह के फोन आए हैं। महावीर नमकीन के प्रोपरायटर नवीन जैन, ज्ञानीजी का खालसा ढाबा के प्रोपरायटर दिलीप सिंह, रेट्रों किचन के प्रोपरायटर राजेन्द्र सिंह, गुप्ताजी सैंडविच के प्रोपरायटर लक्ष्मीनारायण गुप्ता, चंचल नमकीन के प्रोपरायटर चंचल जैन और उत्सव रेस्टोरेंट के मालिक को भी इसी नंबर से कॉल कर धमकाया गया। शिकायत के बाद जब जांच की गई तो सामने आया कि मोबाइल नंबर 9827323620 से कॉल करने वाला व्यक्ति खुद को कभी फूड इंस्पेक्टर, तो कभी नापतौल विभाग का अधिकारी बताता है। वह कहता है कि तुम्हारे खिलाफ शिकायत आई है, अगर उसे बंद कराना चाहते हो तो मेरे बताए गए नंबर या यूपीआई पर पैसे भेजो, नहीं तो दुकानें सील कर दी जाएंगी। पुलिस जांच में पाया गया है कि यह कॉलर पुणे शहर से काम कर रहा है और इंदौर की परिस्थितियों और व्यापारियों की जानकारी रखता है। हालांकि अब तक वह पकड़ में नहीं आया है। पुलिस ने इस जालसाज को ट्रेस करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

इंदौर में आत्महत्या की दो दर्दनाक घटनाएं, पारिवारिक कलह और बेरोज़गारी बनीं जिंदगी खत्म करने की वजह

इंदौर। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में मंगलवार रात आत्महत्या की दो अलग-अलग घटनाओं ने शहर को गहरे सदमे में डाल दिया। तुकोगंज इलाके में एक पेंटर ने पारिवारिक विवाद से परेशान होकर फांसी लगा ली, वहीं परदेशीपुरा में बेरोज़गारी से जूझ रहे एक युवक ने जीवन समाप्त कर लिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना

तुकोगंज थाना क्षेत्र की है। यहां नरेश (40) पुत्र लालचंद शाक्यवार, जो पेशे से पेंटर था, लंबे समय से मानसिक तनाव में जी रहा था। करीब छह माह पहले उसकी पत्नी मायके चली गई थी और फिर लौटकर नहीं आई। इस वजह से नरेश का वैवाहिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया और पति-पत्नी के बीच दूरी बढ़ती चली गई। मंगलवार रात नरेश ने अपने ही घर में कमरे के अंदर फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। जब उसकी मां कमरे में गईं तो उन्होंने बेटे को फंदे पर लटका देखा और तत्काल परिजनों व पड़ोसियों को सूचना दी। बाद में शव को एमवाय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि नरेश की शादी को करीब 12 साल हो चुके थे और उसका 10 साल का बेटा है, जो इस समय मां के साथ रह रहा है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को ही इस आत्महत्या की मुख्य वजह माना गया है।

दूसरी घटना

परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के फिरोज गांधी नगर में हुई। यहां रहने वाले साहिल (26) पुत्र शंकरलाल सोनी ने मंगलवार देर रात करीब एक बजे अपने घर के ऊपरी कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। साहिल के पिता का पहले ही निधन हो चुका है और परिवार की जिम्मेदारी मां और भाई पर है, जो दोनों प्राइवेट नौकरी करते हैं। देर रात उसकी मां जब कमरे में गईं तो उन्होंने बेटे को फांसी पर लटकते हुए देखा और पूरे घर में कोहराम मच गया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि साहिल काफी समय से बेरोज़गार था और काम न मिलने की वजह से मानसिक तनाव में था। हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती जांच में बेरोज़गारी को ही आत्महत्या का कारण माना जा रहा है।

19 सितंबर तक 'मालवा एक्सप्रेस' शार्ट टर्मिनेट, अंबाला तक जाएगी

वैष्णो देवी नहीं जाएगी, कुछ और ट्रेनें शार्ट टर्मिनेट, निरस्त

इंदौर। उत्तर रेलवे जम्मू मंडल के कठुआ-माधोपुर पंजाब रेल खंड में ट्रैफिक सस्पेंड होने के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। लगातार निरस्त हो रही मालवा एक्सप्रेस को शार्ट टर्मिनेट किया गया है। अब यात्री महू से अंबाला तक यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन अंबाला से श्री माता वैष्णो देवी तक शार्ट टर्मिनेट की गई है। इसके कारण वैष्णो देवी माता के दर्शन के लिए आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना होगा। रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 से 19 सितंबर तक डॉ अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस अंबाला रेलवे स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी। अंबाला से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा तक निरस्त रहेगी। इसी तरह तीन से 20 सितंबर तक श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से चलने वाली श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-डॉ अंबेडकर एक्सप्रेस अंबाला रेलवे स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट होगी और श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से अंबाला तक निरस्त रहेगी।

यह ट्रेनें शॉर्ट टर्मिनेट- 2 से 19 सितंबर तक डॉ अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12919 डॉ अम्बेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस, अंबाला रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा अंबाला से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा तक निरस्त रहेगी। 3 से 20 सितंबर, 2025 तक श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से चलने वाली गाड़ी संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस, अंबाला रेलवे स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से अंबाला तक निरस्त रहेगी।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती पर 28 सितम्बर को इंदौर में होगा राष्ट्रीय अलंकरण सम्मान समारोह, सीएम यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा आयोजन

संस्कृति विभाग लगाएगा लता मंगेशकर के जीवनवृत पर आधारित प्रदर्शनी, संभागायुक्त सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इंदौर। राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान समारोह एवं गीत संध्या का आयोजन 28 सितम्बर को इंदौर में होगा। अलंकरण समारोह की तैयारियों को लेकर इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने बैठक आयोजित की। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने कहा कि स्वर कोकिला लता मंगेशकर के नाम से प्रतिवर्ष आयोजित राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान समारोह इस बार 28 सितम्बर को लता मंगेशकर ऑडिटोरियम परस्पर नगर इंदौर में सम्पन्न होगा। 28 सितम्बर को स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्म जयंती है। राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एवं गीत संध्या का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एक वर्ष संगीत निर्देशन एवं दूसरे वर्ष पार्श्व गायन के क्षेत्र में दिया जाता है। इस क्रम में वर्ष 2024 के लिए यह सम्मान प्रसिद्ध संगीत निर्देशक शंकर-एहसान-लॉय को प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2025 के लिए पार्श्व गायन के क्षेत्र में यह सम्मान प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री सोनू निगम को दिया जाएगा। अलंकरण के उपरान्त पार्श्व गायक अंकित तिवारी एवं उनके दल द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

संभागायुक्त सिंह ने आगे कहा कि राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एवं गीत संध्या के तहत स्वर कोकिला लता मंगेशकर के जीवन वृत पर केन्द्रित एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। यह आयोजन दो दिवसीय होगा। पहले दिन सुगम संगीत प्रतियोगिता होगी, जिसमें संगीत के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। इसी दिन दोपहर को स्थानीय स्तर के संगीत कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल लता मंगेशकर ऑडिटोरियम पर पर्याप्त प्रकाश, जनरेटर, शुद्ध पेयजल, एवं बुनियादी सुविधाएं, स्वच्छता, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड सुनिश्चित की जाए। साथ ही पार्किंग की विशेष व्यवस्था की जाए।

बैठक में निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर रोशन राय, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, संस्कृति संचालनालय भोपाल एन.पी. नामदेव, आईडीए के सीईओ आर. पी. अहिरवार, उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक संतोष कुमार कौल, संस्कृतिकर्मी जयंत भिसे, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवा डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधव हसानी, शासकीय संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रकाश कडोतिया, आईडीए के कार्यपालन यंत्री राकेश अवासे, खाद्य विभाग के अधिकारी गामड़ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

अंग्रेजी के डर को खत्म करेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम- जीएसीसी में विद्यार्थियों के लिए 30 दिवसीय आयोजन

दैनिक सद्भावना पाती, इंदौर। स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अंग्रेजी भाषा की जटिलता को दूर करने और विद्यार्थियों को साक्षात्कार, भाषण, संचार कौशल जैसे विषय में बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ विंसेंट थॉमस द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्राचार्य डॉक्टर ममता चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे इस 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं।कार्यक्रम के प्रभारी डॉक्टर भागवत राय एवं करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर ज्योति तनेजा ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर से अंग्रेजी भाषा का डर खत्म करना और उन्हें रोजगारोन्मुखी बनाना है।

त्यौहारों को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च, आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत

इंदौर। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने हेतु इंदौर पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर 02 सितम्बर 2025 को नगरीय ज़ोन-04 अंतर्गत जूनी इंदौर अनुभाग के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला।

फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना और यह संदेश देना था कि सभी नागरिक बिना किसी भय के हर्षोल्लास के साथ त्यौहार मना सकें। फ्लैग मार्च की शुरुआत थाना रावजी बाजार से हुई, जो लाल मंदिर, गाड़ी अड्डा, हाथीपाला, महल कचहरी, चंद्रभागा भाट मोहल्ला, मोती तबेला, मिल्लत नगर, पलसीकर चौराहा, सोनकर धर्मशाला, जबरन कॉलोनी, पांच मंदिर, प्रकाश का बगीचा, बलाई मोहल्ला और औदुंबर धर्मशाला से होता हुआ पुनः थाना रावजी बाजार पर सम्पन्न हुआ। इस दौरान एसीपी जूनी इंदौर विजय चौधरी, थाना रावजी बाजार, थाना जूनी इंदौर एवं थाना भंवरकुआं के प्रभारी सहित पुलिस बल के अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। फ्लैग मार्च के जरिए पुलिस ने यह संदेश दिया कि त्यौहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और नागरिक निश्चिंत होकर त्योहारों का आनंद लें।

फोटो स्टूडियो में आग से लाखों का माल जला

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में फोटो स्टूडियो में भीषण आग लग गई। आग में लाखों रुपए का माल जलकर स्वाहा हो गया। एक घंटे बाद दमकलें पहुंचने से नुकसान ज्यादा हुआ। इसके पहले आसपास के लोगों ने आग पर काबू करने का प्रयास किया था।

शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्थिति की उन्नति में सहायक है सहजयोग

सहजयोग ध्यान का प्रारंभ 1970 में श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा किया गया। आज हम अनेक लोगों से ध्यान के बारे में सुनते हैं। कुछ इसे शांति की प्राप्ति का साधन मानते हैं, तो कुछ शारीरिक स्वस्थता का। कुछ लोग आध्यात्मिक ज्ञान के लिए ध्यान की ओर आकृष्ट होते हैं। आज अनेक व्यक्तियों, संस्थानों व योगा स्कूलों ने लोगों की इसी जिज्ञासा का फायदा उठाकर ध्यान को व्यवसायिक कर उसकी व्यापकता को संकीर्ण बना दिया है। ध्यान आंखों को बंद कर विभिन्न मुद्राओं के विन्यास का नाम नहीं है वरन् ध्यान प्रकृति व परम शक्ति से समग्र होने की प्रक्रिया है। इसमें आपको कोई क्रिया नहीं करनी है, बल्कि ध्यान शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक सभी प्रकार की क्रियाओं से मुक्त हो कर निर्विचारिता में स्थित होना है। परंतु विडंबना यह है कि ध्यान का प्रारंभ करते ही व्यक्ति भूत व भविष्य के अनेक विचारों में उलझ जाता है। और उस स्थिति तक नहीं पहुंच पाता जो ध्यान का लक्ष्य होना चाहिए।

सहजयोग ध्यान योगमाया के इसी भ्रम का अंत करता है। श्री माताजी के समक्ष कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात् ध्यान में स्थित होने पर अनेक प्रकार की तरंगें हमारे आसपास क्रियाशील हो जाती हैं जिससे हमारे हृदय की गति, सांस लेने की दर व ऑक्सीजन की खपत में कमी हो जाती है तथा त्वचा में स्निग्धता बढ़ जाती है, हमारे आसपास शीतल लहरियां प्रवाहित होने लगती हैं जिससे अनेक प्रकार की शारीरिक व्याधियां स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं। इस पूर्ण प्रक्रिया का वैज्ञानिक सत्यापन अनेक डॉक्टर्स के द्वारा तथा वैज्ञानिकों के द्वारा किया गया है। सहजयोग विषय पर दिल्ली के मेडिकल कॉलेज में, रूस तथा विश्व के अन्य भागों में शोध किए गए हैं तथा अनेक विद्यार्थियों ने इस पर डॉक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त की है। श्री माताजी द्वारा सहजयोग ध्यान से अनेक असाध्य रोगों को सहज ही ठीक किया गया। श्री माताजी द्वारा स्थापित सहज योग ध्यान की यह पद्धति पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है तथा मनुष्य के सूक्ष्म तंत्र पर कार्य करती है। आज भी श्री माताजी द्वारा स्थापित इस पद्धति का प्रयोग कर नवी मुंबई स्थित, इंटरनेशनल सहज योग रिसर्च एंड हेल्थ सेंटर में अनेक रोगों को उपचारित किया जाता है। पूर्णतः निःशुल्क सहजयोग के अनगिनत लाभों से लाभान्वित होने हेतु जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

पिछोर विधायक करेंगे प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं पत्रकारों का सम्मान

07 सितम्बर को छत्रसाल स्टेडियम पिछोर में दोपहर 3 बजे किया जाएगा सम्मान समारोह कार्यक्रम

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर छत्रसाल स्टेडियम में क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा 07 सितंबर रविवार को दोपहर 4 बजे विधानसभा क्षेत्र पिछोर के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी की परीक्षा में 90%एवं उससे अधिक अंक लाने बाले सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा! इस संबंध में विधायक द्वारा पिछोर एवं खनियाधाना विकासखंड के बीईओ,बीआरसीसी तथा संकुल प्राचार्यों की एक आवश्यक बैठक भी ली गई! विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछोर विधानसभा क्षेत्र के पिछोर एवं खनियाधाना में वर्ष 2024-25 की हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्तीर्ण 90% एवं उससे अधिक अंक लाने वाले सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 07 सितंबर दोपहर 4 बजे छत्रसाल स्टेडियम में सम्मानित किया जाएगा,जिसमें छात्र/छात्राओं के साथ-साथ क्षेत्र के पत्रकारों को भी सम्मानित किया जाएगा !उन्होंने बताया गया की जो छात्र 90% या उससे अधिक है ऐसे सभी छात्र-छात्राओं को एक एक ब्लेजर पहनाकर चांदी के मेडल के साथ मंच पर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, इसके साथ-साथ ही बारिश को देखते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी साढे चार हजार से पांच हजार तक के लोगों को भी एक-एक छाता वितरण किया जाएगा !तथा कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को भोजन के पैकेट, पानी आदि की व्यवस्था भी की गई है! विधायक से चर्चा करने पर बताया कि हमारे क्षेत्र में इस तरह के कार्यक्रम होने से बच्चों में एक उत्साह का माहौल देखने को मिलेगा,वास्तविकता में इस तरह का कार्यक्रम जिले में पहला होने जा रहा है,जहां बच्चों को अच्छी क्वालिटी के ब्लेजर के साथ साथ शुद्ध चांदी के मेडल से बच्चों को सम्मानित किया जा रहा है!कार्यक्रम में शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री सहित विधायकगण उपस्थित रहेंगे, तथा प्रशासनिक स्तर पर कलेक्टर,जिला पंचायत सीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी,डीपीसी आदि कार्यक्रम मे उपस्थित होंगे!

पिछोर में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय प्रोसेस लैब (कार्यशाला) प्रारंभ

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर जनपद पंचायत के अंतर्गत जनजातीय योजना के तहत आदि कर्मयोगी अभियान भारत सरकार अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की फ्लैगशिप स्कीम के तहत ब्लॉक प्रोसेसिंग लैब का दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ पिछोर अनुविभागीय अधिकारी ममता शाक्य द्वारा माँ सरस्वती का पूजन कर छत्रसाल महाविद्यालय में किया गया!यह कार्यशाला तीन से चार सितंबर तक चलेगी,जिसमें नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिछोर तथा सहायक नोडल अधिकारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी पिछोर को बनाया गया वहीं ब्लाक मास्टर ट्रेनर के रूप में सत्येंद्र झा,राधिकावल्लभ भार्गव,आशीष परिहार,अमित धाकड,जयप्रकाश बाथम,डॉ.पल्लवी सक्सेना तथा भारती वर्मा आदि हैं! कार्यक्रम में नोडल अधिकारी रामपाल बघेल तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता शिक्षा विभाग,जनजातीय कार्य बिभाग,खंड स्तरीय अधिकारी स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास बिभाग, वन परिक्षेत्र अधिकारी उपस्थित रहे व इसके साथ-साथ पिछोर जनपद पंचायत के 57 पंचायतों के सात क्लस्टर बनाए गए, जहां सभी क्लस्टर के अधिकारी/कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया!

यमुना का तांडव, सड़कों से घरों तक पानी-पानी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, और इसका असर शहर के हर कोने में दिख रहा है। आज सुबह 6 बजे दिल्ली में यमुना का जलस्तर 206.76 मीटर दर्ज किया गया। लगातार बारिश ने यमुना के जलस्तर को इतना बढ़ा दिया कि नदी का पानी अब सड़कों, बाजारों और घरों तक पहुंच गया है। आइए, इस जलप्रलय के पांच ऐसे वीडियो पर नजर डालते हैं, जो दिल्ली की इस आपदा को बयां करते हैं।

1. निगमबोध घाट में यमुना का कहर निगमबोध घाट, जो दिल्ली की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का हिस्सा है, अब पानी में डूब चुका है। यमुना का उफनता पानी घाट की सीढ़ियों को पार कर ऊपर तक चढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा दृश्य उन्होंने दशकों में नहीं देखा।
2. **पुराना यमुना पुल पर खतरे की घंटी:** पुराना यमुना पुल, जो दिल्ली की सैर का एक ऐतिहासिक प्रतीक है, अब खतरे की जद में है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि यमुना का पानी पुल के बेहद करीब पहुंच गया है। ऊंचा जलस्तर देखकर प्रशासन ने इस रास्ते पर आवाजाही को सीमित कर दिया है। कई घरों में यमुना का पानी घुस गया है। गलियों में पानी भरा है, और लोग अपने सामान को बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं। बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना मुश्किल हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हर साल बाढ़ की बात होती है, लेकिन इस बार हालात बेकाबू हैं।
3. **मॉनेस्ट्री मार्केट में जलभराव का मंजर:** मॉनेस्ट्री मार्केट, जो हमेशा खरीदारों की भीड़ से गुलजार रहता है, अब पानी के सैलाब में डूबा है। दुकानें बंद हैं और सड़कों पर पानी का तेज बहाव दिख रहा है। दुकानदारों को भारी नुकसान का डर सता रहा है।
4. **यमुना बाजार इलाके में घरों में भरा पानी:** दिल्ली के यमुना बाजार इलाके बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। इलाका पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। यहां के लोग घरों को छोड़कर राहत कैंपों में शिफ्ट किए गए हैं।
5. **मयूर विहार में राहत शिविर, लोगों की मदद को प्रशासन तैयार=** यमुना के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम शुरू हो चुका है। मयूर विहार फेज-1 के पास राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां लोगों को खाना, पानी और बुनियादी सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है, और जरूरत पड़ने पर और शिविर बनाए जाएंगे।यमुना के जलस्तर पर नजर रखने के लिए प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। दिल्लीवासियों से अपील की जा रही है कि वे नदी के किनारे न जाएं और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

उफान पर यमुना, फरीदाबाद के 27 गांवों पर बाढ़ का बड़ा खतरा

यमुना नदी लगातार उफान पर है। बुधवार सुबह ओखला बैराज से एक लाख 65 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मंगलवार के मुकाबले पानी का स्तर एक फीट और बढ़कर 194.50 मीटर एचएफएल (हाई फ्लड लेवल) तक पहुंच गया है। मंझावली में 193.80 मीटर और मोहना में पानी का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है। फरीदाबाद जिला प्रशासन ने हालात को गंभीर मानते हुए यमुना किनारे बसे 27 गांवों को अति संवेदनशील घोषित कर दिया है। पुलिस और प्रशासन के कर्मचारी लगातार मुनादी कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। कई इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। पिछले 15 वर्षों में यह सातवीं बार है जब यमुना में एक लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया है। पानी के लगातार बढ़ते स्तर से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। खेतों और कच्चे मकानों में पानी घुसने का खतरा है। प्रशासन ने बाढ़ नियंत्रण टीमों और राहत कार्यों के लिए मशीनरी को तैयार रखा है। साथ ही लोगों से अपील की जा रही है कि वे सतर्क रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

टोल टैक्स हटाएंगे तो 900 करोड़ दीजिए; एमसीडी ने दिल्ली सरकार से मांग ली बड़ी रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। नगर निगम दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली सरकार को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने सुझाव दिया है कि अगर दिल्ली की सीमाओं से टोल टैक्स की वसूली रोक दी जाती है, ताकि जाम कम हो सके, तो सरकार को हर साल 900 करोड़ की आर्थिक मदद देनी चाहिए। निगम ने इस संभावित राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए दो विकल्प दिए हैं- दिल्ली में अचल संपत्ति (जैसे कि घर या जमीन) की खरीद और बिक्री पर लगने वाले ट्रांसफर ड्यूटी में 1 की बढ़ोतरी हो। इस पत्र में जून में हुई उस बैठक का भी जिक्र है, जिसमें गडकरी ने टोल बूथ हटाने की जरूरत पर जोर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि टोल टैक्स मौजूदा नियमों के तहत लिया जा रहा है, जबकि पर्यावरण मुआवजा शुल्क सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर व्यावसायिक वाहनों से वसूला जाता है। एक अधिकारी ने कहा, हमें अभी तक दिल्ली सरकार से कोई जवाब नहीं मिला है। दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की धारा 113(2) के तहत दिल्ली में आने वाले व्यावसायिक वाहनों से टोल वसूला जाता है। यह व्यवस्था साल 2000 से चली आ रही है। इसे 2015 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर लागू किया गया था। यह एक अतिरिक्त शुल्क है, जिसका मकसद प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हतोत्साहित करना। वायु प्रदूषण कम करना और सार्वजनिक परिवहन व पैदल चलने वालों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा बनाने के लिए पैसे जुटाना है।

पाकिस्तान समेत 3 देशों से आए हिंदू, सिख भारत में बगैर पासपोर्ट रह सकेंगे, बस एक शर्त लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के सदस्यों को पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही सरकार ने नेपाल और भूटान से आने वालों के लिए पासपोर्ट की छूट को बरकरार रखा है।

पिछले साल लागू हुए नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी। हाल ही में लागू आव्रजन एवं विदेशी (नागरिक) अधिनियम, 2025 के तहत जारी किया गया यह महत्वपूर्ण आदेश बड़ी संख्या में लोगों, विशेषकर पाकिस्तान से आए उन हिंदुओं को राहत प्रदान करेगा, जो 2014 के बाद भारत आए और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदाय -- हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई -- जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर से भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हुए तथा 31 दिसंबर 2024 को या उससे पहले वैध दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश किया, उन्हें वैध पासपोर्ट और वीजा रखने के नियम से छूट दी जाएगी।

नेपाल और भूटान के नागरिकों के साथ-साथ दोनों पड़ोसी देशों से सड़क या हवाई मार्ग से भारत में प्रवेश करने वाले भारतीयों को पहले की तरह पासपोर्ट या वीजा प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकारी आदेश के अनुसार, भारतीय नौसेना, थलसेना या वायुसेना के सदस्य, जो ड्यूटी पर भारत में प्रवेश करते हैं या देश से बाहर जाते हैं, उन्हें पासपोर्ट या वीजा रखने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा, ऐसे सैनिकों के परिवार के सदस्यों को, जब वे इस तरह के व्यक्ति के साथ सरकारी वाहन में जाते हैं, उन्हें भी पासपोर्ट या वीजा रखने की आवश्यकता नहीं होगी। गृह मंत्रालय ने कहा, %भारत में प्रवेश करने, ठहरने और बाहर जाने के लिए वैध पासपोर्ट या अन्य वैध यात्रा दस्तावेज और वैध वीजा की आवश्यकता नहीं होगी, बशर्ते कि कोई भारतीय नागरिक नेपाल या भूटान की सीमा से सड़क या हवाई मार्ग के जरिये भारत में प्रवेश करता है, या कोई नेपाली या भूटानी नागरिक नेपाल या भूटान की सीमा से सड़क या हवाई मार्ग द्वारा भारत में प्रवेश करता है, या उसके पास वैध पासपोर्ट है और वह नेपाल या भूटान के अलावा किसी अन्य स्थान से भारत में प्रवेश करता है या भारत से बाहर जाता है। मंत्रालय ने कहा, लेकिन यह छूट चीन, मकाऊ, हांगकांग या पाकिस्तान से यात्रा करने वालों पर लागू नहीं होगी। यह प्रावधान उन तिब्बतियों पर भी लागू होता है, जो पहले ही भारत में प्रवेश कर चुके हैं और देश में रह रहे हैं या भारत में प्रवेश कर रहे हैं, बशर्ते कि उन्होंने संबंधित पंजीकरण अधिकारियों के पास पंजीकरण कराया है और पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।

जापान में सूमो रेसलर से भिड़े ट्रंप के बेटे एरिक

टोक्यो, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप जापान यात्रा के दौरान सूमो कुश्ती के रिंग में कूद गए। 41 वर्षीय एरिक ने दुनिया के

पलभर में हारे फिर भी बोले-जीत ही गया था...

सबसे ताकतवर सूमो पहलवान योकोजुना के साथ अखाड़े में हाथ आज़माया। एरिक, जो 6 फुट 5 इंच लंबे हैं, पूरे आत्मविश्वास के साथ रिंग में उतरे। लेकिन योकोजुना ने उनका पहला धक्का ऐसे झेला मानो कुछ हुआ ही न हो। इसके बाद पहलवान ने उन्हें उठाकर सीधा रिंग से बाहर कर दिया। एरिक खुद भी इस मज़ाकिया हार पर हंसते रह गए और पहलवान से हाथ मिलाकर सम्मान जताया। दूसरी बार मुकाबले में एरिक थोड़े बेहतर दिखे और उन्होंने पहलवान को रिंग के बीच से कुछ इंच पीछे धकेल भी दिया। लेकिन कुछ ही पलों बाद योकोजुना ने उन्हें फिर से उठा लिया और चक्कर लगवाकर जमीन पर गिरा दिया। एरिक ने कहा- लगभग जीत ही गया था। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए एरिक ने लिखा-हर दिन आपको योकोजुना जैसा दिग्गज से भिड़ने का मौका नहीं मिलता। बहुत सम्मान की बात थी! लगभग जीत ही गया था।

एरिक की सूमो फाइट की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। उन्होंने पहलवानों के साथ फोटो खिंचवाई और कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय है।एरिक ट्रंप की यह यात्रा उनके परिवार के नए फ्लैगशिप बिटकॉइन टोकन झ. के लॉन्च से जुड़ी थी, जिसकी ट्रेडिंग इसी सोमवार से शुरू हुई।

सैन्य परेड में दिखी चीन की युद्ध क्षमता

सेना ने आधुनिक हथियारों का किया प्रदर्शन

बीजिंग, एजेंसी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर हो रही भव्य सैन्य परेड में बुधवार को चीन ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया। चीनी सेना ने दुनिया को पहली बार अपने जेट लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता से जुड़े कुछ आधुनिक हथियारों से रूबरू कराया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और ईरान, मलेशिया, म्यांमार, मंगोलिया, इंडोनेशिया, जिम्बाब्वे और मध्य एशियाई देशों के नेताओं सहित 26 विदेशी नेताओं ने इसमें भाग लिया।

द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित परेड में सैकड़ों सैनिकों ने भाग लिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने विदेशी मेहमानों का स्वागत किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू परेड में भाग ले रहे हैं। 2019 के बाद यह चीन में पहली बड़ी सैन्य परेड है। 2019 में यह परेड सीपीसी की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस बार की परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति को याद करने के लिए की जा रही है। इस युद्ध ने चीन को बुरी तरह प्रभावित किया था।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकर्षक हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्राफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

आज से शुरू होगा सेमीफाइनल इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बेंगलुरु, एजेंसी। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे।

अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे। अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा। जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे। जायसवाल का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट था और उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना पड़ सकता है।

दूसरी ओर ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे। पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं।

झयह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। जुरेल के बिना भी उनकी बल्लेबाजी दमदार रही, क्योंकि कार्यवाहक कप्तान रजत पाटीदार, दानिश मालेवार और शुभम शर्मा ने बड़े शतक जड़े। उनके पास बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे तथा तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के रूप में मजबूत गेंदबाजी इकाई भी है। एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

इसके अलावा दक्षिण क्षेत्र को तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की भी कमी खलेगी जो चोटिल हैं। इसलिए दक्षिण क्षेत्र को उत्तर क्षेत्र की चुनौती से निपटने के लिए एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल और सलमान निजार जैसे खिलाड़ियों से अच्छे स्कोर की आवश्यकता होगी। उत्तर क्षेत्र को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की कमी खलेगी जो एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र की बल्लेबाजी का दारोमदार आयुष बडोनी और कप्तान अंकित कुमार पर रहेगा।

काफा नेशंस कप: भारत को झटका, डिफेंडर झिंगन चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर

हिसोर (ताजिकिस्तान), एजेंसी। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया। भारत के स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ईरान से 0-3 से मिली हार के दौरान लगी चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। 32 वर्ष के झिंगन को लगी चोट भारत के लिए करारा झटका है जिसे गुरुवार को ग्रुप बी के तीसरे और आखिरी मैच में अफगानिस्तान से खेलना है। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया। ईरान छह अंक लेकर शीर्ष पर है। भारत की आगे बढने की उम्मीदें अफगानिस्तान के खिलाफ मैच पर टिकी हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने एक्स पर लिखा, डिफेंडर संदेश झिंगन को ईरान के खिलाफ भारत के काफा नेशंस कप 2025 मैच के दौरान चोट लगी थी। वह भारत लौट जाएंगे।

पाकिस्तान की टीम एक मजाक है...

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात में खेली जा रही टी20 ट्राई सीरीज में पाकिस्तान से अपनी पिछली हार बदला ले लिया. इस सीरीज के चौथे मुकाबले में अफगानिस्तान ने अपने पड़ोसी देश को 18 रनों से हरा दिया. इससे पहले उसने यूएई को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की थी. पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन किया. इस दौरान उनके स्पिनर्स के आगे पाकिस्तान के बल्लेबाज टिक नहीं पाए. अफगानिस्तान से हार के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ रहा है. एशिया कप से पहले यूएई टी-20 ट्राई सीरीज में पाकिस्तान को पहली हार का सामना करना पड़ा है. अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई. पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने सबसे ज्यादा रन बनाए. इस दौरान सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ रहा है. एक फैंस ने लिखा, शोएब अख्तर की बात तो आपको साफ याद होगी, वो बिल्कुल सही थे. ये शारजाह की पिच थी, लेकिन जब उन्हें दुबई की पिच पर खेलना होगा, तो याद रखना, वो 130 रन भी नहीं बना पाएंगे.

दूसरे क्रिकेट फैंस ने लिखा कि अफगानिस्तान के खिलाफ दसवें नंबर के बल्लेबाज हारिस रऊफ 212.50 के स्ट्राइक रेट के साथ पाकिस्तान के शीर्ष स्ट्राइकर रहे. बाबर आजम, पाकिस्तान के सबसे ज्यादा टी 20 रन बनाने वाले बल्लेबाज होने के बावजूद अपने पूरे टी 20 करियर में कभी भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाए.

ध्रुव जुरेल को हुआ डेंगू, बड़े घरेलू टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य क्षेत्र के कप्तान बनाए गए ध्रुव जुरेल डेंगू से पीड़ित होने के कारण दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। मध्य क्षेत्र के ध्रुव जुरेल 4 सितंबर से पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीम के कप्तान बनाए गए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कमर में दर्द के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था। अब जुरेल के बीमारी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है।

मध्य क्षेत्र के मुख्य कोच उस्मान गनी ने दावा किया है कि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं और इसलिए दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अक्षय वाडकर को विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन की कप्तानी की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जुरेल अपनी कमर की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है। विदर्भ और सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने कहा, हां, वाडकर को सेंट्रल जोन टीम में शामिल किया गया है क्योंकि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं। वह अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं और हमें टीम में एक और विकेटकीपर की जरूरत थी। जुरेल आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में नजर आए थे, जहां उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। जुरेल के अलावा, कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है क्योंकि वह एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे।

मध्य क्षेत्र की अपडेटिड टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वाडकर, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

स्टैंडबायः माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

यूएस ओपन:

पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में युकी भांबरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस के साथ यूएस ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। भांबरी-वीनस की जोड़ी ने जर्मनी के केविन क्राविट्ज-टिम पुएत्ज की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। यह इंडो-न्यूजीलैंड जोड़ी अब 41 वर्षीय अमेरिकी राजीव राम और उनके जोड़ीदार निकोला मेक्टिक की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी। निकोला क्रोएशिया से हैं। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष डबल्स टेनिस खिलाड़ी भांबरी ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। वह वर्तमान में वर्ल्ड नंबर 32 हैं। पिछले साल भांबरी ने फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी अल्बानो ओलिवेटी के साथ यूएस ओपन खेला था। वह प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। उस मुकाबले में यह जोड़ी स्पेन के मार्सेल ग्रानोलेर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से सीधे सेटों में हार गई थी। इससे पहले, भांबरी और वीनस ने कोलंबिया के गोंजालो एस्कोबार और मैक्सिको के मिगेल एंजेल रेयेस-वरेला की जोड़ी को 6-1, 7-5 से शिकस्त देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड दौरा कभी नहीं भूल सकता: प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया था। शुभमन गिल की कप्तानी वाली युवा टीम के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि थी। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का इसमें अहम योगदान रहा था। प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत का 2-2 से रोमांचक ड्रॉ उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक के रूप में उनकी यादों में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। 29 वर्षीय कृष्णा ने द ओवल में खेले गए पांचवें और निर्णायक टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और कुल 8 विकेट लेते हुए भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। बात करते हुए कृष्णा ने कहा, शारीरिक रूप से दौरे ने मुझे थका दिया था। इंग्लैंड सीरीज के बाद मैंने दस दिन का ब्रेक लिया था।

ब्रेक के दौरान भी मुझे शरीर में दर्द महसूस हो रहा था। द ओवल टेस्ट का पांचवां दिन याद करते हुए कृष्णा ने कहा, पहली गेंद, मैंने पहले ही तय कर लिया था, बाउंसर होने वाली थी। वह गेंद चौके के लिए गई, लेकिन इससे मुझे यह समझने में भी मदद मिली कि पिच पर क्या हो रहा है। दूसरी गेंद अंदरूनी किनारे से लगी। पहली दो गेंदों पर आठ रन आने के बावजूद, मैं काफी संयमित था। मुझे पता था कि मुझे एक निश्चित क्षेत्र में, एक निश्चित लंबाई पर गेंद फेंकनी होगी, और गेंद को ही अपना काम करने देना होगा। कृष्णा ने दूसरे छोर से दबाव बनाने के लिए मोहम्मद सिराज को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ ओवरों में मुझसे ज्यादा सिराज की गेंद स्विंग कर रही।

इंदौर के विनोद सिंह ने रचा इतिहास, दक्षिण डेयर 2025 का ओवरऑल खिताब अपने नाम

राजेश धाकड़

इंदौर के प्रतिभाशाली मोटरस्पोर्ट्स ड्राइवर विनोद सिंह पटेल ने अपने को-ड्राइवर शैलेंद्र सिंह (आगरा) के साथ मिलकर प्रतिष्ठित मोटरस्पोर्ट इंक एफएमएससीआई 14वां दक्षिण डेयर क्रॉस-कंट्री रैली का पहला ओवरऑल खिताब जीतकर नया इतिहास रच दिया। रविवार देर रात आंध्र प्रदेश के अनंतपुर के पास आयोजित 10 किलोमीटर लंबे शॉर्ट सिलेक्टिव सेक्शन (दो बार आयोजित) के बाद यह रोमांचक रैली संपन्न हुई और सभी प्रतिभागी समापन समारोह के लिए बेंगलुरु लौटे। राष्ट्रीय स्तर के अश्वक्रीड़ा (इक्वेस्ट्रियन) शो-जंपिंग खिलाड़ी तथा मध्यभारत मोटरस्पोर्ट्स क्लब, इंदौर के संस्थापक सदस्य विनोद सिंह सत्यनारायण पटेल के लिए यह खिताब उनके करियर का सबसे बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

1300 सीसी मारुति जिप्सी में शानदार प्रदर्शन करते हुए विनोद और शैलेंद्र ने कठिन और चुनौतीपूर्ण चरणों में धैर्य, कौशल और निरंतरता का परिचय दिया।

विनोद सिंह की प्रतिक्रिया

जीत के बाद भावुक विनोद सिंह ने कहा

"दक्षिण डेयर 2025 की यह जीत मेरे लिए सबकुछ है। हमने धूल, गर्मी और कठिन रास्तों में पूरे फोकस के साथ संघर्ष किया। यह सफलता मेरे को-ड्राइवर शैलेंद्र सिंह के बिना संभव नहीं थी, जिन्होंने हर मोड़ पर सटीक नेविगेशन किया। साथ ही हमारे ट्यूनर वैभव पारेख (डॉ. पर्क) और कपिल ठाकुर ने हमें ऐसी गाड़ी दी, जो हर चुनौती झेलकर भी बेहतरीन प्रदर्शन करती रही। यह जीत पूरी टीम की है।" करीब 2000 किमी लंबी रैली में 350 किमी से अधिक प्रतिस्पर्धात्मक टाइम्ड स्टेज शामिल थे। कुछ चरण रद्द होने के बावजूद यह आयोजन प्रतिभागियों की सहनशक्ति और कौशल की सच्ची परीक्षा साबित हुआ।

रैली का आयोजन

यह प्रतियोगिता मोटरस्पोर्ट इंक द्वारा, एफएमएससीआई के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। इसमें 18 कारें और 32 बाइकें शामिल हुईं, जिन्हें मॉडिफाइड, स्टॉक और लेडीज श्रेणियों में बाँटा गया था।

महिला शक्ति का प्रदर्शन

इस बार की रैली में महिला खिलाड़ियों ने भी दमखम दिखाया। शिलॉन्ग की फोएबी नोंग्रम ने लेडीज़ क्लास जीतने के साथ-साथ ओवरऑल चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने दर्जनभर से अधिक पुरुष प्रतियोगियों को पीछे छोड़कर भारतीय मोटरस्पोर्ट में महिलाओं की नई पहचान बनाई।

पैगंबर इस्लाम के आदर्श का पालन करें नबी के पैदाइश का दिन मदीने में तबर्रुक तक़सीम किया

इंदौर। संस्था सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बैग ने अपने बयान में बताया कि पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के 1500 वर्ष यौम ए पैदाइश जन्मदिन के मोके पर मक्का मदीना में खजूर चॉकलेट आम जनता में तकसीम किया पूरे विश्व के देश के नागरिक महिलाएं मदीने मक्का में इबादत कर रहे हैं नबी ए पाक का जन्मदिन पर इबादत कर तबारक वितरण मस्जिद-ए-नबीवी में किया गया इस मौके पर संस्था अध्यक्ष मंजूर बैग इंडोनेशिया से मक्का की साइकिल यात्रा करने वाले युवा का भी स्वागत किया मुख्य रूप से मौजूद थे तहसीन खान टूर संचालक अमीन कादरी रिजवान भाई सलीम भाई शकील खान शाहनवाज भाई आदि टूर के साथी मौजूद थे।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना हैं

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स